जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :डॉ. शेखर सिंह बघेल
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 68
दिनांक 18.03.2023

वर्चुअल माध्यम से देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि श्री अन्न समृद्धि एवं समग्र विकास हेतु सौगात है

कृषि महाविद्यालय में श्री अन्न की उपयोगिता विषय पर वर्चुअल वेबीनार एवं परिचर्चा आयोजित

जबलपुर 18 मार्च, 2023। अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष 2023 के तत्वाधान में जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा की सद्प्रेरणा से खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा कृषि महाविद्यालय अंतर्गत विवेकानंद सभागार में **श्री अन्न की उपयोगिता विषय** पर वर्चुअल वेबीनार एवं परिचर्चा का आयोजन किया गया। अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष 2023 के तत्वावधान में देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा वैश्विक मिलेट्स (श्री अन्न) कांफ्रेंस उद्घाटन किया गया। इस दौरान वर्चुअल माध्यम से प्रधानमंत्री श्री मोदी जी ने वैश्विक स्तर पर वासुदेव कुटुंबकम की अवधारणा को मिलेट्स की आवश्यकता एवं उपयोगिता पर अपनी बात कहते हुए बताया कि आज हम सभी भारत वासियों की जिम्मेदारी बहुत अधिक बढ़ चुकी है मिलेट्स का अंतरराष्ट्रीय वर्ष 2023 में श्री अन्न फसलों का हमारे छोटे कृषकों की आय बढ़ाने में, आदिवासियों के सत्कार में कम पानी वाले क्षेत्रों में, उत्पादन, केमिकल फ्री खेती एवं जलवायु परिवर्तन से लड़ने के साथ ही प्रकृति को बेहतर बनाने एवं छोटे मझोले किसानों की आय को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कार्य है। श्री अन्न को हम सभी संकल्प लेकर आगे बढ़ाते हुए सिद्धि तक पहुंचाने की आवश्यकता है भारत की कटिबद्धता एवं प्रतिबद्धता प्रदर्शित करती है कि हमें वैश्विक स्तर पर इसका समृद्धि, समग्रता एवं समग्र विकास हेतु कार्य करना होगा, आज देश के 12–13 राज्यों में इसकी खेती की जाती है पहले घरेलू खपत 2 से 3 किलोग्राम प्रतिघर थी, जो आज 14 किलोग्राम तक बढ़ गई है। इसकी खेती से ढाई करोड़ छोटे एवं गरीब किसान जुड़े हुए हैं, इस क्षेत्र में कार्यक्रम हमारे गांव एवं गरीब किसानों को समृद्धि एवं विकास की ओर एक महत्वपूर्ण कार्य होगा। यह श्री अन्न ग्रामीण अर्थव्यवस्था को लाभ पहुंचाने के साथ ही इनके उत्पाद गांव से निकलकर सुपरमार्केट तक एवं वैश्विक बाजार में पहुंचेंगे तो इसका लाभ हमारे इन किसान भाइयों को मिलेगा, रोजगार के दृष्टिकोण से भी यह अति महत्वपूर्ण है, देश जी–20 का नेतृत्व कर रहा है और हमारा देश है ''वन–अर्थ वन–फैमिली वन–फ्यूचर'' की दृष्टिकोण से कार्य कर रहा है। श्री अन्न फसलों की बेहतर उत्पादन, तकनीक, बीज उत्पादन, प्रसंस्करण, मार्केटिंग आदि क्षेत्रों में बेहतर कार्य हमारे किसानों का जीवन स्तर ऊंचा उठाने की दिशा में महती आवश्यकता है। **वैश्विक कांफ्रेस मिलेट्स 2023 के उद्घाटन में श्री अन्न पर तैयार भारतीय डाक टिकिट एवं आजादी के 75 वर्ष पूरे होने पर एक सिक्का प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा जारी किया गया।**

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने वैश्विक मिलेट्स (श्री अन्न) कांफ्रेंस के स्वागत उदबोधन में कहा कि मिलेट्स (श्री अन्न) वर्ष के शुभारंभ का उत्सव है। मिलेट्स के विषय को लेकर जब भी कोई सवाल आया तो भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने उत्साह से हम सबका मार्गदर्शन किया और उसी के परिणामस्वरूप यह कार्यकम उत्तरोत्तर ऊंचाइयों पर पहुंच रहा है। प्रधानमंत्री लगातार इस बात की चिंता करते रहे हैं कि देश–दुनिया के छोटे किसान व वर्षा आधारित खेती करने वाले किसानों की ताकत बढनी चाहिए। लोगों के पास खाद्यान्न की प्रचुरता है, लेकिन भोजन की थाली में पोषकता के अभाव को भरने की कोशिश करनी चाहिए। इसके लिए वर्ष 2018 में मिलेट्स को पोषक–अनाज के रूप में अधिसूचित किया गया, ताकि भोजन की थाली में मोटे अनाज को प्रतिष्ठा मिले, छोटे किसान की ताकत बढ़े, इसकी खेती को प्रोत्साहित किया जा सके। इससे मोटे अनाज का उत्पादन बढ़ा और मांग भी बढ़ी है। वर्ष 2018 में ही मिलेट्स के महत्व को बताते हुए प्रधानमंत्री जी ने संयुक्त राष्ट्र में इस प्रस्ताव को रखा और संयुक्त राष्ट्र ने 2023 को मिलेट्स ईयर के रूप में घोषित किया। इसका शुभारंभ आज हो रहा है। मिलेट्स, मोटा अनाज को श्री अन्न कहकर जो प्रतिष्ठा दी है, उसके लिए प्रधानमंत्री जी का मैं अभिनंदन करता हूं। श्री अन्न समूची दुनिया के लिए महत्वपूर्ण कृषि उत्पाद है।

कार्यक्रम के प्रारंभ में कृषि महाविद्यालय जबलपुर के अधिष्ठाता डॉ पी शर्मा ने कहा कि श्री अन्न, मोटे अनाज या मिलेट्स की बेहतर कृषि तकनीकी के साथ खेती एवं उत्पादन, प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन की दिशा में कृषि महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय एक महती भूमिका निभा रहा है आप ने नारा दिया **''स्वयं के बल– स्वयं का विकास''** इस हेतु विश्वविद्यालय की समस्त विभागों को एकजुटता के साथ आगे आकर कार्य करना होगा, आपने बताया कि मिलेट्स एक बहुत बड़ी सौगात शरीर एवं सेहत के लिए है।

कार्यक्रम में खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. एस.एस. शुक्ला ने मिलेट्स के मूल्य संवर्धन एवं प्रसंस्करण के ऊपर कार्य करने एवं विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यो की विस्तार से जानकारी प्रदान की। इस दौरान विभागाध्यक्ष पौध प्रजनन एवं अनुवांशिकी विभाग डॉ. आर. एस. शुक्ला, डॉ. एम.एल. केवट, डॉ. एच.के. राय एवं डॉ. शेखर सिंह बघेल आदि वैज्ञानिकों ने मिलेट्स पर अपनी बात कहीं। श्री अन्न की इस वर्चुअल कॉन्फ्रेंस एवं चर्चा कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. पी.बी. शर्मा अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय एवं आभार प्रदर्शन वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. शेखर सिंह बघेल द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष डॉ. एस. एस. शुक्ला, डॉ. जयंत भट्ट, डॉ. आर. एस. शुक्ला, आर.के. समैया, डॉ. एम.एल.केबट, डॉ. बृजेश दीक्षित, डॉ. प्रतिभा परिहार, डॉ. अर्चना पांडे, डॉ.सीमा नरवरिया सहित अन्य वैज्ञानिक एवं बड़ी संख्या में छात्र एवं छात्राओं की उपस्थिति रही।